ओपन रिडक्शन एंड इंटरनल फिक्सेशन (ओ.आर.आई.एफ.)

INSTITUTE OF MUSCULOSKELETAL
DISORDERS & ORTHOPAEDICS

ओ.आर.आई.एफ.सर्जरी क्या है?

ओपन रिडक्शन एंड इंटरनल फिक्सेशन (ओ.आर.आई.एफ.) एक ऑर्थोपेडिक सर्जरी है जिसमें क्षतिग्रस्त टिबिया (पैर की हड्डी) को एक कृत्रिम जोड़ से बदल दिया जाता है। टखने का जोड़ तीन हड्डियों से बना होता है, ये हैं टिबिया (शिनबोन), फाइबुला (आपके पैर की छोटी हड्डी),और टैलस (आपके पैर की एक हड्डी)

ओ.आर.आई.एफ.सर्जरी की आवश्यकता कब होती है?

ओ.आर.आई.एफ. टिबिया सर्जरी की आवश्यकता निम्नलिखित स्थितियों में हो सकती है:

- फ्रैक्चर के कारण हड्डियों के बहुत सारे टुकड़े होना
- टूटी हुई हड्डी के टुकड़े त्वचा से बाहर निकलना

ओ.आर.आई.एफ.सर्जरी से पहले क्या होता है?

- अधिकतर यह एक इमरजेंसी प्रक्रिया होती है। प्रक्रिया से पहले डॉक्टर मरीज़ के चिकित्सीय इतिहास के बारे में पूछते हैं और कुछ शारीरिक परीक्षण करवाते हैं।
- मरीज़ के कुछ परीक्षण होते हैं, जिसमें टिबिया और फिबुला का एक्स-रे या सीटी स्कैन शामिल हो सकते हैं।
- डॉक्टर को चल रही दवाओं, मेडिकल इतिहास, और एलर्जी के बारे में बताएं।
- प्रक्रिया से पहले मरीज़ को आठ घंटे तक कुछ भी खाने से मना किया जाता है।
- कुछ मामलों में डॉक्टर सूजन कम होने तक सर्जरी को कुछ समय के लिए स्थगित कर सकते हैं।

ओ.आर.आई.एफ.सर्जरी के दौरान क्या होता है?

- इस प्रक्रिया में कुछ घंटे लग सकते हैं।
- ऑपरेशन की शुरुआत में मरीज़ को एनेस्थीसिया दिया जाएगा, जिससे प्रक्रिया दर्द-रहित हो।
- प्रभावित जगह की सफ़ाई के बाद, डॉक्टर टखने पर एक चीरा लगाते हैं।
- क्षतिग्रस्त हड्डी के टूटे हुए टुकड़ों को एक साथ ला कर जोड़ते हैं या हड्डी को इंप्लांट से बदल देते हैं।
- इसके साथ-साथ जरुरत पड़ने पर, डॉक्टर आस-पास के अन्य अंगों की मरम्मत भी कर सकते हैं।
- हड्डी को सुरक्षित करने के बाद, डॉक्टर मरीज़ के पैर के आसपास की त्वचा और मांसपेशियों की परतों की मरम्मत कर ऑपरेशन की जगह को बंद कर देते हैं।

ओ.आर.आई.एफ.सर्जरी के बाद क्या होता है?

- सर्जरी के बाद मरीज़ को कुछ समय के लिए रिकवरी कक्ष में रखा जाता है, जहां उनके विभिन्न शारीरिक माणकों पर नज़र रखी जाएगी।
- ऑपरेशन के बाद दर्द और सूजन को नियंत्रित करने के लिए आवश्यक दवाएँ दी जाती है।
- सर्जरी के कुछ दिनों बाद तक मरीज़ को टखना ऊपर रखने की सलाह दी जाती है।
- कुछ हफ़्तों तक मरीज़ को कास्ट या ब्रेसेस पहनने की आवश्यकता होगी।
- डॉक्टर द्वारा बताए गए सभी दिशानिर्देशों का अच्छे से पालन करना चाहिए।
- डॉक्टर मरीज़ को कैल्शियम और विटामिन डी से भरपूर आहार खाने का सुझाव देंगे।

ओ.आर.आई.एफ.सर्जरी के क्या जोखिम होते हैं?

- संक्रमण
- रक्तस्राव
- तंत्रिका क्षति
- रक्त के थक्के बनना
- हड्डी का ग़लत जुड़ना
- इंप्लांट के प्रति रिएक्शन
- डीप वेन थ्रॉम्बोसिस
- फैट एम्बोलिज्म
- सर्जरी की दुबारा आवश्यकता

किन परिस्थितियों में तुरंत अपने डॉक्टर से संपर्क करें?

अगर मरीज़ को निम्नलिखित में से कोई भी लक्षण महसूस हो तो तुरंत डॉक्टर को सूचित करें:

- दर्द या सूजन का बढ़ना
- बुख़ार या सर्दी लगना
- संक्रमण के लक्षण जैसे दर्द, सूजन, गर्माहट, या लालिमा होने पर
- सर्जरी वाली जगह से रक्त या तरल स्राव निकालना

24/7 सेवा

मेदांता **24X7**
आपातकालीन हेल्पलाइन

1068

अपॉइंटमेंट बुक करने
के लिए स्कैन करें

medanta हेल्पलाइन
890-439-5588
Visit us at : www.medanta.org

मेदांता नेटवर्क: गुरुग्राम । दिल्ली । लखनऊ । पटना । इंदौर । रांची । नोएडा *
शीघ्र प्रारम्भ